जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com

प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
समन्वयक
9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत
सह–समन्वयक
9461014303

क्रमांक 280 **17 सितम्बर, 2019**

प्रेस–विज्ञप्ति

वेटरनरी विश्वविद्यालय स्नातक प्रथम वर्ष परीक्षा 2019 का परिणाम घोषित

मेरिट में क्षितिज पारीक प्रथम स्थान पर

बीकानेर, 17 सितम्बर। वेटरनरी विश्वविद्यालय की बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. 2019 प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. जी.सी. गहलोत ने बताया कि इस परीक्षा की वरीयता सूची में क्षितिज पारीक (सीकर) प्रथम स्थान पर रहे हैं। अनमोल सिंह (जयपुर) द्वितीय, जोव जैकब (जयपुर) तृतीय, राहुल सिंह राठौड़ (चौमूं) चतुर्थ और अनिमा शर्मा (चौमूं) ने पांचवा स्थान हासिल किया है। परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.rajuvas.org पर उपलब्ध है।

पशुपालन से आय में वृद्धि का दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

बीकानेर, 17 सितम्बर। वेटरनरी विश्वविद्यालय के पशुधन चारा संसाधन प्रबंधन एवं तकनीकी केन्द्र के एवं उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक "आत्मा" बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में किसानों का दो दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को शिविर को संपन्न हो गया। शिविर के समापन सत्र में वेटरनरी कॉलेज के अधिष्ठाता तथा संकाय अध्यक्ष प्रो. राकेश राव ने कहा कि पशुपालन क्षेत्र की आय को दुगुणा करने के लिए हमें पशुपालन तथा खेती के उत्पादों की उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के साथ–साथ उत्पादों के मूल संवर्द्धन पर विशेष ध्यान देना होगा। बीका जी ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण गुप्ता ने कहा कि खेती और पशुपालन का महत्व सदैव रहा है। किसानों व पशुपालकों की कड़ी मेहनत से जो कच्चा माल उत्पादित होता है उससे बड़े उद्योग संचालित होते हैं। नेस्ले कम्पनी के अधिकारी डॉ. मुकेश चौधरी एवं नाबार्ड के जिला विकास मैनेजर श्री रमेश ताम्बिया, राजुवास के सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. राजेश नेहरा, दिनेश आचार्य तथा महेन्द्र सिंह मनोहर ने शिविर में व्याख्यान दिये। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रामनारायण खुड़िया, द्वितीय रामस्वरूप बिश्नोई तथा तृतीय पुरस्कार सूखाराम नायक ने प्राप्त किया। केन्द्र के प्रमुख अन्वेष्क डॉ. दिनेश जैन ने बताया कि पशुपालन आय में वृद्धि की उन्नत तकनीकें विषय पर आयोजित इस शिविर में नोखा तहसील के 30 कृषकों ने भाग लिया। डॉ. तारा बोथरा ने समापन सत्र का संचालन किया।

समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ